"जल की पुकार"

"जल की पुकार"

प्राणियों का प्राण हूँ, चाहता जग का त्राण हूँ,
करते प्रदूषित जब मुझे, बन जाता विषैला बाण हूँ।
पीता जब मुझको सारा जग, भर जाती शक्ति तब है रग,
विश्व के कल्याण हेतु, बढ़ाता सर्वत्र नित्य पग।
मैं सन्ध्या मज्जन का आधार, करते प्रयोग कई प्रकार
विद्युत को जन्म देने, खिंचवाता हूँ सर्वत्र तार।
खेतों में फैलाता हरियाली, फूल-फल हर एक डाली,
वन-उपवन जहाँ भी देखो, दिखाता हूँ छटा निराली।
नलकूप तड़ाग नदी-नाले, कुएं सब मैंने पाले,
मैं जहाँ हूँ सूख जाता, लग जाते हैं वहाँ ताले।
ऐसी हूँ मैं अमृतधार, टिका जिस पर है संसार,
पर मानव के कुकृत्य से, मैं चुका हूँ आज हार।
गुण मेरा जन्मजात, मलिनता को है धोना,
पर सारे जग में आज मलिन मेरा हर कोना।
मानव की इस मार से, आज हो चुका हूँ घायल,
दे दो पूर्वरूप वह मेरा, जग में जिसके हैं सब कायल।

"जल महिमा"

जल धरती का प्राण, अम्बर का है फूल,
बिन जल धरती-धाम में, हर पल उड़ती धूल।
सारे प्राणी, वनस्पति, पैदा होते तब,
हर जगह उपलब्ध हो, पर्याप्त जल जब।
जल तो ऐसा तत्व है, जिस पर टिकती सृष्टि,
इसके प्रति रखें सदा, अपनी निर्मल दृष्टि ।
जल धुलाता रहता सदा, हर मानव के पाप,
मज्जन-पान करने पर, हरता तन की ताप।
मानव पलता जिस अन्न से, वह जल पर पूर्ण निर्भर,
शक्ति संचय शरीर में, करता प्राणी इससे हर।
पशु-पक्षी भी जल पीकर, करते अपना काम,
निर्मल जल ने आजतक, रखा है जीवन थाम।
आये दिन अक्सर मानव, कर रहे हैं जल को गन्दा
कान खोल सुन लें सभी, यह नहीं है अच्छा धन्धा।
कूड़ा-कचरा, मल-मूत्र से, करें न जल अपवित्र,
सार्थकता इसकी तभी, जब रहे यह पूर्ण पवित्र।
सब कुछ हो पर जल नहीं, नहिं लगती कुछ आश,
चाहते हो कल्याण यदि, तो बन जाओ जल के दास।
तन-मन-धन अर्पित कर, रखें सब जल की शुद्धि,
निर्मल जल उपयोग से, रहेगी निर्मल बुद्धि।

"जल शुद्धि"

जीवन का आधार है जल, हरपल रखें उसे निर्मल।
बिन जल के जीवन नहीं होता, मानव के पापों को धोता।
साग-तरकारी, अन्न और फल, तब मिलते जब होता जल ।
मानव हो या पशु-पक्षी, सब निर्मल जल के भक्षी।
जल यदि हो जायेगा गन्दा, फिर नहीं बच पायेगा बन्दा।
देह बनेगी रोगों का घर, हैजा-मलेरिया और कहीं ज्वर।
निर्मलता का ध्यान रखें सब, लाभ मिलेंगे हम सब को तब।
दूर रखें हर तरह का मैला, चाहे हो वह पॉलीथिन थैला।

संपर्क करें:
डॉ. सुरेन्द्र दत्त सेमल्टी
प्रभारी प्रधानाचार्य
रा.इ.का. रणसोली धार (चन्द्रवदनी)
पो. आ. पुजार गाँव via-हिण्डोला खाल
जिला-टिहरी गढ़वाल - 249122
(उत्तराखण्ड)